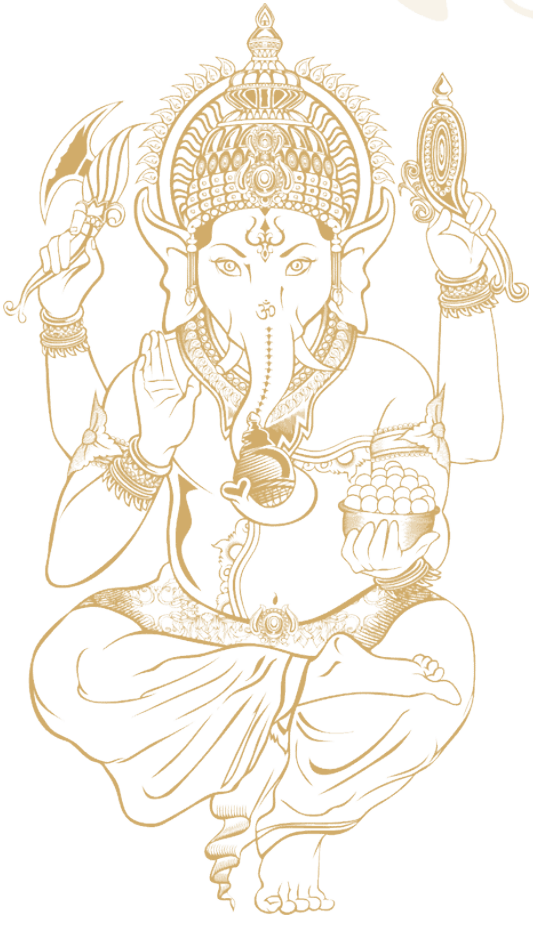

Mr. ??????

22 Jan 1993

07:00 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120204202

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/01/1993	जन्म तिथि	**22/01/2025**
गुरु-शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 07:00:00	जन्म समय	12:03:57 घंटे
घटी 59:24:36	जन्म समय(घटी)	12:05:25 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:09	सूर्योदय	07:13:47
17:51:51	सूर्यास्त	17:52:04
23:45:55	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:27

मकर	लग्न	मेष
शनि	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मकर	राशि	तुला
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	स्वाति
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	राहु
2	चरण	2
वज्र	योग	शूल
चतुष्पाद	करण	कौलव
भो-भोजराज	जन्म नामाक्षर	रे-रेणुका
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
नकुल	योनि	महिष
मनुष्य	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	मृग
32	गत/तत्कालिक वर्ष	33

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उत्तराषाढ़ा	3	03:23:00	मक			लग्न			मेष	13:37:40	1	भरणी
उत्तराषाढ़ा	4	08:16:33	मक			सूर्य			मक	08:16:33	4	उत्तराषाढ़ा
उत्तराषाढ़ा	2	00:22:34	मक			चंद्र			तुला	12:48:41	2	स्वाति
आर्द्रा	4	18:44:17	मिथु	व		मंगल	व		मिथु	29:35:08	3	पुनर्वसु
उत्तराषाढ़ा	4	07:12:59	मक		अ	बुध		अ	धनु	26:29:08	4	पूर्वाषाढ़ा
हस्त	4	20:51:17	कन्या			गुरु	व		वृष	17:21:56	3	रोहिणी
पू०भाद्रपद	2	25:19:13	कुंभ			शुक्र			कुंभ	24:52:52	2	पू०भाद्रपद
धनिष्ठा	1	24:56:35	मक			शनि			कुंभ	22:12:00	1	पू०भाद्रपद
ज्येष्ठा	4	27:13:41	वृश्चि	व		राहु	व		मीन	04:57:04	1	उ०भाद्रपद
मृगशिरा	2	27:13:41	वृष	व		केतु	व		कन्या	04:57:04	3	उ०फाल्गुनी
पूर्वाषाढ़ा	4	25:09:06	धनु			मु			कन्या	03:23:00	3	उ०फाल्गुनी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:27

लग्न-चलित

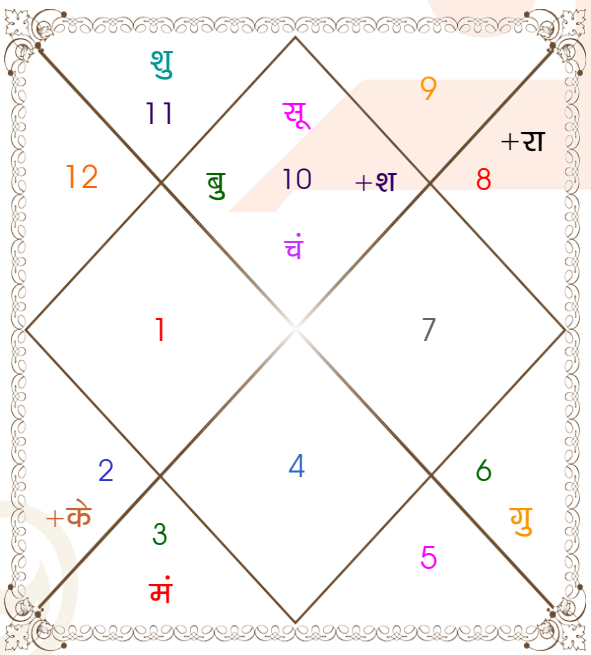

वर्ष लग्न कुंडली

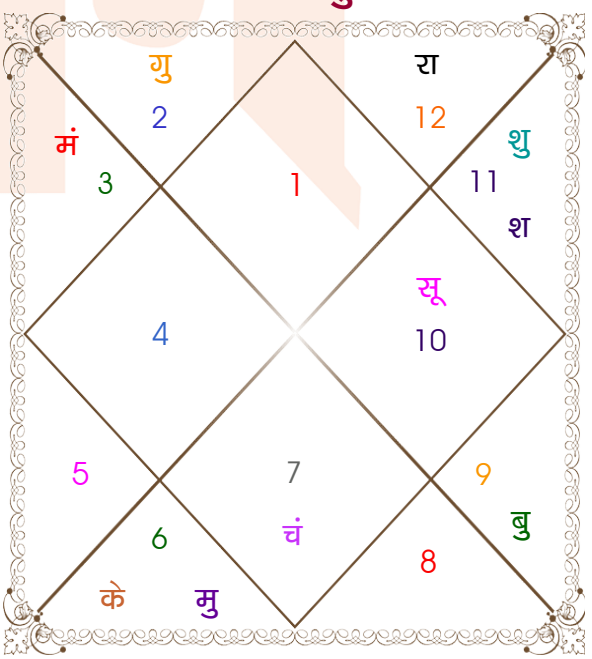

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - केतु - बुध		राहु - शुक्र - शुक्र		राहु - शुक्र - सूर्य		राहु - शुक्र - चंद्र	
16/10/2025 15:19		09/12/2025 23:16		10/06/2026 14:16		04/08/2026 09:10	
09/12/2025 23:16		10/06/2026 14:16		04/08/2026 09:10		03/11/2026 16:40	
बुध	24/10/2025 08:03	शुक्र	09/01/2026 09:46	सूर्य	13/06/2026 08:01	चंद्र	11/08/2026 23:47
केतु	27/10/2025 12:07	सूर्य	18/01/2026 12:55	चंद्र	17/06/2026 21:35	मंगल	17/08/2026 07:38
शुक्र	05/11/2025 13:26	चंद्र	02/02/2026 18:10	मंगल	21/06/2026 02:17	राहु	31/08/2026 00:21
सूर्य	08/11/2025 06:38	मंगल	13/02/2026 09:50	राहु	29/06/2026 07:31	गुरु	12/09/2026 04:33
चंद्र	12/11/2025 19:18	राहु	12/03/2026 19:17	गुरु	06/07/2026 14:50	शनि	26/09/2026 15:32
मंगल	15/11/2025 23:21	गुरु	06/04/2026 03:41	शनि	15/07/2026 07:02	बुध	09/10/2026 14:00
राहु	24/11/2025 02:57	शनि	05/05/2026 01:40	बुध	23/07/2026 01:19	केतु	14/10/2026 21:50
गुरु	01/12/2025 08:48	बुध	30/05/2026 22:35	केतु	26/07/2026 06:01	शुक्र	30/10/2026 03:05
शनि	09/12/2025 23:16	केतु	10/06/2026 14:16	शुक्र	04/08/2026 09:10	सूर्य	03/11/2026 16:40

राहु - शुक्र - मंगल		राहु - शुक्र - राहु		राहु - शुक्र - गुरु		राहु - शुक्र - शनि	
03/11/2026 16:40		06/01/2027 14:43		19/06/2027 23:25		13/11/2027 01:49	
06/01/2027 14:43		19/06/2027 23:25		13/11/2027 01:49		04/05/2028 13:40	
मंगल	07/11/2026 10:09	राहु	31/01/2027 06:25	गुरु	09/07/2027 10:56	शनि	10/12/2027 13:05
राहु	17/11/2026 00:15	गुरु	22/02/2027 04:23	शनि	01/08/2027 14:07	बुध	04/01/2028 02:58
गुरु	25/11/2026 12:48	शनि	20/03/2027 04:57	बुध	22/08/2027 06:51	केतु	14/01/2028 05:52
शनि	05/12/2026 15:41	बुध	12/04/2027 11:47	केतु	30/08/2027 19:24	शुक्र	12/02/2028 03:50
बुध	14/12/2026 17:01	केतु	22/04/2027 01:54	शुक्र	24/09/2027 03:48	सूर्य	20/02/2028 20:02
केतु	18/12/2026 10:30	शुक्र	19/05/2027 11:21	सूर्य	01/10/2027 11:07	चंद्र	06/03/2028 07:01
शुक्र	29/12/2026 02:10	सूर्य	27/05/2027 16:35	चंद्र	13/10/2027 15:19	मंगल	16/03/2028 09:54
सूर्य	01/01/2027 06:53	चंद्र	10/06/2027 09:18	मंगल	22/10/2027 03:51	राहु	11/04/2028 10:29
चंद्र	06/01/2027 14:43	मंगल	19/06/2027 23:25	राहु	13/11/2027 01:49	गुरु	04/05/2028 13:40

राहु - शुक्र - बुध		राहु - शुक्र - केतु		राहु - सूर्य - सूर्य		राहु - सूर्य - चंद्र	
04/05/2028 13:40		06/10/2028 19:13		09/12/2028 17:16		26/12/2028 03:44	
06/10/2028 19:13		09/12/2028 17:16		26/12/2028 03:44		22/01/2029 13:11	
बुध	26/05/2028 13:27	केतु	10/10/2028 12:42	सूर्य	10/12/2028 12:59	चंद्र	28/12/2028 10:31
केतु	04/06/2028 14:46	शुक्र	21/10/2028 04:22	चंद्र	11/12/2028 21:52	मंगल	30/12/2028 00:52
शुक्र	30/06/2028 11:42	सूर्य	24/10/2028 09:05	मंगल	12/12/2028 20:52	राहु	03/01/2029 03:29
सूर्य	08/07/2028 05:59	चंद्र	29/10/2028 16:55	राहु	15/12/2028 08:02	गुरु	06/01/2029 19:09
चंद्र	21/07/2028 04:26	मंगल	02/11/2028 10:24	गुरु	17/12/2028 12:38	शनि	11/01/2029 03:15
मंगल	30/07/2028 05:46	राहु	12/11/2028 00:31	शनि	20/12/2028 03:06	बुध	15/01/2029 00:23
राहु	22/08/2028 12:36	गुरु	20/11/2028 13:03	बुध	22/12/2028 10:59	केतु	16/01/2029 14:44
गुरु	12/09/2028 05:20	शनि	30/11/2028 15:56	केतु	23/12/2028 09:59	शुक्र	21/01/2029 04:19
शनि	06/10/2028 19:13	बुध	09/12/2028 17:16	शुक्र	26/12/2028 03:44	सूर्य	22/01/2029 13:11

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्पूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आपको अत्यंत ही पराक्रम तथा परिश्रम करना पड़ेगा फिर भी इसमें सफलता आपको आंशिक ही प्राप्त होगी। इस समय आपके स्वयं द्वारा किए गए कार्यो से भी अप्रसन्नता होगी तथा मानसिक असन्तुष्टि तथा परेशानी भी रहेगी।साथ ही मित्रों एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः उनसे आपको लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।

इस वर्ष में शत्रुवर्ग से आप अत्यंत ही कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगी तथा वे आपके लिए समय समय पर अनावश्यक कष्ट एवं परेशानी उत्पन्न करेंगे। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी अतः ऐसे समय में आपको पूर्ण सतर्क तथा सावधान रहना चाहिए।इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा आप अल्प मात्रा में ही इच्छित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा तथा धनहानि की भी संभावना रहेगी।साथ ही कार्य क्षेत्र में भी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा रूके हुए कार्य भी सिद्ध नहीं होंगे।इसके अतिरिक्त इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी उत्पन्न होंगी फलतः एक दूसरे से विवाद या झगड़े की भी संभावनाएं भी बनेंगी। अतः ऐसे समय को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें इससे अशुभ फलों में न्यूनता रहेगी।